राजपूत मार्शल हिंदू कुलों और राजवंशों का एक समूह थे जिन्होंने 7वीं शताब्दी ईस्वी के बाद से उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों पर शासन किया था। उन्होंने भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेषकर राजपूताना नामक क्षेत्र में, जिसमें वर्तमान राजस्थान भी शामिल है।

1. उत्पत्ति**:**

- "राजपूत" शब्द संस्कृत के शब्द "राजा" (राजा) और "पुत्र" (पुत्र) से बना है। राजपूतों को अक्सर प्राचीन योद्धा वंशों का वंशज माना जाता है।

2. कुल और राजवंश**:**

- राजपूत एक एकीकृत साम्राज्य नहीं थे, बल्कि कई कुलों का एक समूह थे, जिनमें से प्रत्येक के अपने शासक और क्षेत्र थे।
- प्रमुख राजपूत राजवंशों में चौहान, राठौड़, सोलंकी, तोमर और कई अन्य शामिल थे।

3. प्रभुत्व का क्षेत्र**:**

- राजपूतों ने मुख्य रूप से भारत के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शासन किया, जिसमें वर्तमान राजस्थान, गुजरात, हरियाणा और उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से शामिल हैं।
- उन्हें अक्सर बाहरी आक्रमणों से अपने क्षेत्रों की रक्षा करनी पड़ती थी, विशेषकर मध्य एशिया के मुस्लिम शासकों और बाद में दिल्ली सल्तनत से।

4. शौर्य और वीरता**:**

- राजपूत संस्कृति "राजपूताना" नामक शौर्य संहिता से ओत-प्रोत थी, जिसमें सम्मान, बहादुरी और वफादारी पर जोर दिया जाता था।
- वे अपने मार्शल कौशल, घुड़सवारी और युद्ध में दक्षता के लिए जाने जाते थे।

5. आक्रमणकारियों के विरुद्ध प्रतिरोध**:**

- राजपूतों ने विशेषकर प्रारंभिक मध्ययुगीन काल के दौरान उत्तर भारत में इस्लामी आक्रमणों का जमकर विरोध किया।
- पृथ्वीराज चौहान, एक प्रसिद्ध राजपूत राजा, को गौरी आक्रमणकारी मुहम्मद गोरी के खिलाफ उनकी लड़ाई के लिए याद किया जाता है।

6. राजपूत साम्राज्य और गठबंधन**:**

- राजपूत शासकों ने अलग-अलग स्तर की शक्ति और प्रभाव के साथ कई राज्य स्थापित किए।
- बाहरी खतरों का विरोध करने के लिए उन्होंने अक्सर आपस में और अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के साथ गठबंधन बनाया।

7. कला एवं संस्कृति का संरक्षण**:**

- राजपूत कविता, संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा के साथ कला और संस्कृति के महान संरक्षक थे।
- राजपूत वास्तुकला, विशेष रूप से किलों, महलों और मंदिरों के रूप में, अपने जटिल डिजाइन और अलंकृत सजावट के लिए प्रसिद्ध है।

8. अस्वीकार**:**

- 16वीं शताब्दी में भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना के साथ ही राजपूत साम्राज्यों का पतन शुरू हो गया।
- कई राजपूत शासकों ने मुगलों के साथ गठबंधन कर लिया, जबकि अन्य ने उनका विरोध करना जारी रखा।

9. विरासत**:**

- राजपूतों की विरासत का जश्न राजस्थान में आज भी मनाया जाता है, जहां उनका ऐतिहासिक प्रभाव अभी भी कला, वास्तुकला और वीरता और शिष्टता की स्थायी भावना में स्पष्ट है।
- राजपूत संस्कृति और परंपराएँ भारत की सांस्कृतिक पच्चीकारी का एक अभिन्न अंग हैं।

LEARNING MANTRAS